परिवर्तन
PARIVARTAN

कृषि संदेश

वर्ष : 2015. अंक : 1

कृषि समुदाय के लिए तक्षशिला की एक पहल

परिवर्तन – एक परिचय

ग्रामीण समुदाय के समेकित विकास हेतू तक्षशिला एजुकेशनल सोसाइटी की पहल पर परिवर्तन की स्थापना सिवान जनपद के जीरादेई – आंदर मार्ग पर स्थित ग्राम नरेन्द्रपुर में नवम्बर 2009 में की गई। प्रयास की इस कड़ी में जीरादेई के 8 एवं आंदर प्रखण्ड के 2 पंचायतो के अंतर्गत आने वाले 45 गावों के ग्रामीण समुदाय की सामाजिक, संस्कृतिक, शैक्षणिक एवं कृषि के उन्नति हेतू विभिन्न संस्थानों से समन्वय स्थापित कर महत्वकांक्षी कार्यक्रम चलाये जा रहे है जिनमे प्रथम पेस, सृजनी, ज्योति महिला समाख्या, मैजिक बस, शीशा, बायोवर्सिटी इंटरनेशनल आदि प्रमुख है। विभिन्न प्रयासों के माध्यम से आस–पास के गांवों के बच्चों, युवाओं, किशोरियों, महिलाओं, किसानों, कलाकारों को एक समुचित विकासोन्मुखी वातावरण देने कि कोशिश की जा रही है।

दो शब्द

तक्षशिला एजुकेशनल सोसाइटी के पहल पर परिवर्तन समेकित ग्रामीण समुदाय विकास हेतू ,नरेन्द्रपुर ,जीरादेई (सिवान) अपने कार्य क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कृषको के सर्वांगीण विकास हेतू पूर्णतया समर्पित है।

कृषि के क्षेत्र में परिवर्तन, हरियाली कृषि ज्ञान केन्द्र के माध्यम से कृषको के खेतो पर विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय संस्थानों के तकनीकी सहयोग से प्रदर्शन, प्रशिक्षण एवं प्रदर्शनी/कृषि मेला लगाकर विभिन्न फसलो की उत्पादकता बढ़ाने में सक्रिय भूमिका प्रदान कर रहा है।

आशा है कि परिवर्तन कृषि संदेश का प्रकाशन किसानो एवं कृषि से जुड़े सभी लोगो के ज्ञानवर्धन हेतु उपयोगी साबित होगा।

परिवर्तन कृषि सन्देश के अंक 1 के प्रकाशन पर अपनी शुभकामना प्रेषित कर रहा है।

डॉ. अमरनाथ तिवारी
कृषि सलाहकार

कृषि सम्बन्धी पहल

विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय संगठनो जैसे – सीरियल सिस्टम इनिसिएटिव फार साऊथ एशिया, (शीशा) नई दिल्ली, वयोवार्सिटी इंटरनेशनल फार साऊथ एशिया, नई दिल्ली, आई० सी० ए० आर० – रिसर्च काम्प्लेक्स फार इस्टर्न रीजन, पटना, आई० ए० आर० आई० क्षेत्रीय केन्द्र पूसा, समस्तीपुर राज्य सरकार के कृषि विभाग, आत्मा एवं सबंधित विभागो से समन्वय स्थापित करके विभिन्न कृषक उपयोगी कार्यक्रम चलाये जा रहे है।

– **परिवर्तन प्रांगण में हरियाली कृषि ज्ञान केन्द्र की स्थापना** – विभिन्न फसलो, फलो एवं सब्जियो की वैज्ञानिक खेती को चार्ट के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है टिकाऊ खेती के अंतरगर्त लेजर लेवलर द्वारा भूमि का समतलीकरण, जीरो टिलेज द्वारा धान – गेंहू की बुआई, मशीन द्वारा धान की रोपाई, खरपतवार प्रबंधन, सूक्ष्म सिंचाई तथा कृषि से जुड़े हुए विभिन्न व्यवसाय जैसे वर्मी कम्पोस्टिंग, मधुमखी पालन, मशरूम तकनीक को प्रदर्शित किया गया है विभिन्न फसलों के प्रजातीयों के बीज, वायो–फर्टिलाइजर, खर पतवार नाशक एवं पौध रक्षा रसायन के सेम्पल रखे गये है। कृषको का प्रशिक्षण प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रदान की जाती है।

– **परिवर्तन किसान क्लब की स्थापना** – परिवर्तन क्षेत्र के अंतरगर्त आने वाले किसानों का एक किसान क्लब की स्थापना की गई है। मासिक बैठक सभागार में महीने में एक बार आयोजित की जाती है। इस बैठक में फसलो की उन्नतशील प्रजातियों एवं तकनीको से बुवाई, खरपतवार, रोग एवं कीटों के प्रकोप आदि पर सामयिक चर्चा की जाती है तथा उनका निवारण किया जाता है अगले माह में कृषक भाई क्या करे, इस के बारे में चर्चा की जाती है मौसम के मिजाज को देखते हुए किसानो को उचित सलाह दी जाती है। क्लब में 113 पुरुष एवं 38 महिला कृषक सदस्य है। क्लब को वैधानिक रूप से चलने हेतु जिला निबंधन कार्यालय, सीवान से पंजीकृत कराया गया है क्लब के अंतर्गत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव ,कोषाध्यक्ष के पद सृजित किये गये है।

इसके अलावा पंचायत स्तर पर पंचायत प्रतिनिधि, ग्राम स्तर पर ग्राम प्रतिनिधि का नामांकन प्रति वर्ष किया जाता है इन पदों का कार्य काल एक साल का होता है।

क्लब का कार्य

- परिवर्तन प्रांगण में अथवा कार्य क्षेत्र के अंतगर्त आने वाले गावों में प्रति माह एक निश्चित तिथि पर बैठक का आयोजन किया जाएगा। जिसमे सभी सदस्य अपने – अपने गावों से दो से तीन बड़े, छोटे एवं सीमांत किसानो को बैठक में अपने साथ लायेंगे।
- सदस्य अपने सम्बंधित गांव के कृषको से उनके आवश्यकता के अनुरूप बीज/कृषि रसायन प्रबंधन हेतु धन इक्कट्ठा कर क्लब में जमा करेंगे क्लब इसकी व्यवस्था किसी विश्वसनीय संस्थान से करेगा। लेखा की जिम्मेदारी क्लब की होगी, परिवर्तन विश्वसनीय संस्था एवं लाभकारी निवेश के बारे में मार्ग दर्शन करेगा।
- परिवर्तन में उपलब्ध कृषि यंत्रो को निर्धारित शुल्क पर क्लब कृषको को उपलब्ध करायेगा।
- नवीनतम प्रजातियों/तकनीको का प्रदर्शन कृषको के खेत पर परिवर्तन द्वारा क्लब के माध्यम से आयोजित किया जाएगा।

क्लब का उद्देश्य

1. बदलते जलवायु परिपेक्ष्य में प्राकृतिक सम्पदा का प्रबंधन।
2. खेती की नवीनतम तकनीक अपनाकर इसे गुणवत्ता एवं लाभ प्रद बनाना।
3. कृषि कार्य में कार्यरत नवयुवको एवं महिलाओं को स्वंय सहायता समूह के रुप में रोजगारपरक प्रशिक्षण देकर उनके जीवन स्तर में सुधार लाना।
4. जैविक खेती पर बल।
5. कृषको को उचित शुल्क पर कृषि यंत्रो पर कस्टम हायरिंग पद्धति से उपलब्ध कराना
6. कृषि विश्वविद्यालय ध्भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्/अन्य रजिस्टर्ड संस्था द्वारा विकसित उच्च गुणवत्ता का बीज/तकनीक की उपलब्धता एवं उपयोग के बारे में जानकारी प्रदान कराना।
7. समय – समय पर प्रदेश एवं केंद्र सरकार के कृषि अधिकारियो / कृषि वैज्ञानिको को आमंत्रित कर विभिन्न कृषि योजनाओं /तकनीकों के बारे में जागरूक बनाना।
8. कृषको को कृषि निवेश हेतु नवार्ड /स्थानीय बैंक द्वारा ऋण की व्यवस्था कराना।

क्लब का कार्य क्षेत्र : परिवर्तन किसान क्लब के अंतगत आने वाले गाँव का विवरण निम्न तालिका द्वारा दर्शाया गया है।

प्रखंड	पंचायत	गाँव
जीरादेई	जामापूर	बंगरा
		रूइयाँ
		पथारदेई
		महमूदपुर
		जामापुर
		खरगीरामपुर
		छपरापाल (बेचिरागी)
		गड़ार
	नरेन्द्रपुर	बड़हुलियाँ
		नरेन्द्रपुर
		खेम भटकन
	चंदौली / गंगौली	हरपुर मदनपुर
		महमूदपुर
		चंदौली / गंगौली
		गजियापुर बेदवलिया
		मुडा
		संथू
		बंथु श्रीराम
		धर्मपुर
	भरौली	भीखपुर
		भरौली
		पकवलियाँ
		बलईपुर

प्रखंड	पंचायत	गाँव
		हसनपुरवा
		गोठी
	मियॉ के भटकन	सिकीयॉ
		नारायणपुर
		मियॉ के भटकन
		सजलपुर
		बढेयॉ
		बथुसलोना
		बैकुण्ठपुर
	गरार	गडार
		बेलवासा
		सिंगही
		हरदोपट्टी
		भवराजपुर
अंदर	बलिया	बेलही
		बलिया
		सलाहपुर
		हकमा हाता
		कौदेला
	भँवराजपुर	खेमराज पडरी
		लक्षीराम पडरी
		मसुदहा
		बंगरा उज्जैन

किसान के खेतों पर किये गए प्रदर्शन

- **लेजर लेबलर से भूमि का समतलीकरण** – गत मई माह में शीशा के सहयोग से जीरादेई प्रखण्ड के श्री अजय कुमार सिंह एवं श्री सुधीर कुमार श्रीवास्तव, आंदर प्रखण्ड के श्री रामसागर सिंह एवं श्री छोटेलाल सिंह के खेतो पर लेजर लेबलर द्वारा भूमि समतलीकरण का प्रदर्शन किया गया। कृषको ने इसे देखकर संतोष जाहिर किये।

  इस क्रिया से अन्य किसानों को भूमि समतलीकरण की प्रेरणा मिली तथा सिंचाई हेतू पानी की बचत (लागभग 30–40 प्रतिशत) तथा पम्पसेट से सिंचाई की घंटो में काफी कमी एवं श्रम की बचत होती है।

  धान की सामुदायिक नर्सरी एवं मशीन से रोपाई – परिवर्तन प्रांगण में धान की सामुदायिक

नर्सरी तैयार की गई तथा 5 किसानो के खेतो पर (श्री अवधेश श्रीवास्तव, ग्राम–संजलपुर, श्री सुधीर श्रीवास्तव ग्राम – खेम्भटकन, श्री अजय कुमार सिंह ग्राम – नरेन्द्रपुर, श्री रामसागर सिंह ग्राम – उजैन बंगरा एवं परिवर्तन कैम्पस, नरेन्द्रपुर) पर शीशा एंव कृषि विभाग के सहयोग से मशीन से रोपाई की गई। इस तकनीक से कम समय में (5 एकड़ प्रतिदिन) एक से दो श्रमिकों द्वारा रोपाई किया जा सकता है। श्रमिको द्वारा रोपाई की तुलना में मशीन की रोपाई से प्रति एकड़ 560 रु० की बचत होती है साथ ही साथ श्रमिको की पूरी बचत हो जाती है।

धान की प्रजातीय मिनीकिट प्रदर्शन – आई.ए.आर.आई क्षेत्रीय केन्द्र पूसा के सहयोग से धान की 4 प्रभेदो (पूसा 44, सुगंधा 5, पी० एन० आर० 381, पूसा 1176) एवं प्रति प्रजाति की 10–10 प्रदर्शन जीरादेई प्रखण्ड के 35 किसानों के खेत पर और आंदर प्रखण्ड के 5 किसानों के खेत पर आयोजित किया गया। इन प्रजातियों में किसानो ने स्थानीय दशा में **सुगंधा 5 एवं पी० एन० आर० 381** को पसंद किया। किसानो के खेत पर सुखाड़ की स्थिति में इन प्रजातियों की उपज क्षमता लगभग 60 कि० प्रति कठा रही।

गेंहू का मिनीकिट प्रदर्शन – आई० ए० आर० आई क्षेत्रीय केन्द्र पूसा के सहयोग से गेंहू की 7 प्रजातियों को जीरादेई प्रखण्ड के 25 कृषको के खेत पर और आंदर प्रखण्ड के 4 कृषको के खेत पर प्रदर्शन किया गया है इन प्रजातियों में **एच० डी–2967, एच० डी 2733 एच० डी 2824 समय से बुवाई** (नवम्बर के द्वितीय सप्ताह तक) के लिए सबसे अच्छी साबित हुई है जिसका पैदवार 65–70 कि० ग्रा व / कट्ठा के हिसाब से हुआ है पिछेती गेंहू की बुआई के लिए एच० ड्ब्लु० 2045 अच्छी साबित हुई जिसकी उपज 45–50 कि० प्रति कट्ठा के हिसाब से हुआ।

गेंहू में रासायनिक खरपतवार नियंत्रण प्रशिक्षण – शीशा के सहयोग से परिवर्तन परिसर में दिनांक 29–12 13 को गेंहू की फसल में रासायनिक खरपतवार नियंत्रण का प्रशिक्षण आयोजन किया गया जिनमें खरपतवार नाशक का घोल बनाना तथा उसकी फ्लैट फैन नाजिल से छिटकाव विधि किसानों से ही कराकर उनको प्रशिक्षत किया गया। इस प्रशिक्षण में 26 कृषको नें भाग लिया।

प्रक्षेत्र दिवस एवं कृषि प्रदर्शनी

परिवर्तन परिसर में 7 मार्च 2014 को प्रक्षेत्र दिवस एवं कृषि प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमे लगभग 450 – किसानों ने भाग लिया कृषि प्रदर्शनी में आइ० ए० आर० आइ० क्षेत्रीय केन्द्र पूसा, आइ० सी० ए व आर० पटना, शीशा पटना के वैज्ञानिको ने कृषको के खेतों पर किये गए गेंहू के मिनीकिट प्रदर्शनों का अवलोकन किया जिसमे एच० डी० 2967 समय से नवम्बर के प्रथम पखवाड़े में बुवाई एवं बिलम्ब की दशा में एच० ड्ब्ल्यू –2045 किसानों आई० क्षेत्रीय केन्द्र पूसा के डॉ. सी. बी. सिंह वैज्ञानिक तथा उनके सहयोगी एवं डॉ. अर्नव गुप्ता वयोवार्सिटी इंटरनेशनल ने किसानों के खेतों और परिवर्तन परिसर में लगाये गए प्रदर्शनों का अवलोकन किया तत पश्चात् कृषक गोष्ठी का आयोजन सभागार में किया गया मुख्य अतिथि के रूप में डॉ० आर० के० मलिक शीशा पटना ने भाग लिया। आत्मा सिवान के परियोजना निदेशक श्री शंकर झा ने भाग लिया। मेले का मुख्य आकर्षण नेशनल

सिवान जागरण

पटना, 8 मार्च 2014 दैनिक जागरण | 5

परिवर्तन परिसर में दिखा समग्र ग्राम विकास माडल

किसानों को सुझाव देते पदाधिकारी

लोगों को तकनीकी जानकारी देते पदाधिकारी

प्रदर्शनी देखते लोग

जागरण

संसू, जीरादेई : देश के प्रथम राष्ट्रपति राजेन्द्र बाबू की जन्मस्थली जीरादेई के पास स्थित नरेन्द्रपुर गांव में शुक्रवार को आयोजित प्रदर्शनी में समग्र ग्राम विकास का एक मॉडल दिखा। गांव के बाहर स्थित तक्षशिला एजुकेशनल सोसाइटी के परिवर्तन नामक विशाल एवं सुसज्जित परिसर में कृषि, शिक्षा, तकनीक के क्षेत्रों में हो रहे आधुनिक वैज्ञानिक प्रयोगों के साथ ही गांव की मौलिकता भी दिखी। परिसर में स्थित मंडप में गांव की परंपरागत लोक शासन भी चल रहा था। इस प्रदर्शनी में जुटे हजारों की भीड़ में गांव के वैसे चेहरे थे जिनके लिए खेती ही सब कुछ है। इसमें आधी आबादी की संख्या भी खूब थी। कार्यक्रम के उद्घाटन के लिए बाहर से किसी बड़े अधिकारी या राजनेता को विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित नहीं किया गया था बल्कि कृषि वैज्ञानिक व स्थानीय मुखिया ने मिलकर इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

विशाल परिसर में आधुनिक कृषि उपकरणों के स्टाल व खेती के वैज्ञानिक पद्धति को बताने वाले चित्रों की प्रदर्शनी लगी हुई है। आसपास के आठ-दस पंचायतों से पैदल ही पहुंचे किसान अपनी आवश्यकता अनुसार जानकारी ले रहे थे। परिवर्तन की परिकल्पना गढ़ने वाले इस गांव के संजीव कुमार सिंह ने कहा कि हमारा प्रयास है कि गांवों की मौलिकता के साथ विकास के तमाम आधुनिक अवसर हमारे गांवों को मिले। बातचीत के क्रम में यह स्पष्ट हो जाता है कि यह आयोजन ग्राम विकास मिशन उत्सव जैसा है। इस अवसर पर परिसर में स्थित बालकेन्द्र भवन में मॉडल आंगनबाड़ी केन्द्र का उद्घाटन किया गया। इस केन्द्र में स्कूल जाने के पूर्व बच्चों की ऐसी देखभाल की जायेगी ताकि वे मानसिक रूप से स्वयं विद्यालय जाने के लिए तैयार हो जाएं। प्रयोग के तौर पर शुरू होने वाले इस आंगनबाड़ी केन्द्र में उन परिस्थितियों का अध्ययन किया जाएगा जिसके कारण विद्यालय जाने से ग्रामीण बच्चे कतराते हैं। इसके साथ ही आज हरियाली कृषि ज्ञान केन्द्र का उद्घाटन भी हुआ। इस अवसर पर केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल के अवकाश प्राप्त कुलपति एमपी सिंह, केन्द्र के संचालक व कानपुर कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व डीन आरएन तिवारी, किसानश्री संजीव कुमार, नरेन्द्रपुर के मुखिया संजीव सिंह मुन्ना, धनपुर पंचायत के मुखिया ब्रजेश सिंह भी उपस्थित थे।

के द्वारा सराहा गया। परिवर्तन परिसर में शोध संस्थानों एवं बहुराष्ट्रीय कम्पनियों, कृषि यन्त्र निर्माताओ द्वारा आदि के स्टॉल लगाकर किसानों को लाभान्वित किया गया। हरियाली कृषि ज्ञान केन्द्र का उद्घाटन केन्द्रीय विश्वविद्यालय इम्फाल के पूर्व कुलपति डॉ० एम० पी० सिंह द्वारा किया गया। ततपश्चात् कृषक गोष्ठी आयोजित की गयी जिसमें डॉ. आइ. एस. सोलंकी पूसा तथा उनकी सहयोगी टीम एवं आई सी आर पटना के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. उज्जवल कुमार, डॉ. इदरीश, शीशा के वैज्ञानिक डॉ. अजय कुमार ने विभिन्न फसलों की तकनीक पर प्रकाश डाले।

परिवर्तन परिसर में ३ नवम्बर २०१४ को पुन: प्रक्षेत्र दिवस एवं कृषि प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें 500 से अधिक किसानों ने भाग लिया जिसमें आई० ए० आर० सीड कारपोरेशन द्वारा किसानों को बीज वितरण, चौम्पियन नर्सरी द्वारा अच्छी क्वालिटी की पौधा का विक्रय तथा पूसा संस्थान द्वारा बीज विक्रय रहा।

आगे बढ़ते प्रयास

1. **परिवर्तन किसान क्लब द्वारा कृषि निवेश प्रबंधन** – परिवर्तन किसान क्लब अपने सदस्य किसानों हेतू उन्नतशील कृषि के बीज, कृषि रक्षा दवाये एवं उर्वरक उपलब्ध करने के लिए जिला कृषि अधिकारी से संपर्क बनाये हुआ है हुए। शीघ्रः ही सफलता मिलने की उम्मीद है. गत वर्ष पूसा से सीधे नयी प्रजाति के गेंहू, धान एवं सरसों के बीज मंगाकर किसानों को उपलब्ध कराया गया साथ ही साथ एक्सेल क्राप केयर से मेरा 71 एवं सल्फर 90 प्रतिशत तथा वायर क्राप केयर से टोटल नामक खरपतवार नाशक मांगवाकर किसानों को वितरित किया गया।

2. **आत्मा के सहयोग से गाय पालन एंव बकरी पालन** – महिला कृषक समूह का गठन आत्मा सिवान के

सहयोग से सन्थु एवं बन्थू गावं से महिला कृषको के 2 ग्रुप का गठन किया गया है कार्यवाही प्रगति पर है।

3. **शरद कालीन मक्का का मेंढ़ पर बुवाई प्रदर्शन** – संकर मक्का का मेंढ़ पर बुवाई प्रदर्शन परिवर्तन परिसर

तथा भारुली रोड पर किसानो के खेत में मेंढ़ पर बुवाई किया गया है इस प्रदर्शन से सिचाई जल की बचत तथा अच्छी उपज होने कि संभावना है।

4. **जीरो टिलेज मशीन से गेंहू कि बुवाई** – रबी 2014–15 में अंदर एवं जीरादेई प्रखंड के किसानो के खेतों पर 16 एकड़ क्षेत्र में कृषि विभाग के सहयोग से जीरो टीलेज मशीन द्वारा गेंहू बोया गया प्रदर्शन प्रगति पर है।

5. **गेंहू का मिनीकिट प्रदर्शन** – आई० ए० आर० आई क्षेत्रीय केन्द्र पूसा के सहयोग से कुल 35 किसानों के खेतों पर (समय से बुवाई की दशा में 25 और बिलम्ब कि दशा में 10) प्रदर्शन आयोजित किये गए है।

6. **जलवायु परिवर्तन की दशा में बायो वर्सिटी इंटरनेशनल के प्रदर्शन /ट्रायल : जीरादेई एवं अन्दर प्रखंड के** 178 कृषको की खेतो पर ट्रायल आयोजित किये गए है प्रत्येक कृषक को 3 प्रजाति के बीज के सम्पुल दिए गए है किसान स्थानीय जलवायु दशा में अपने लिए गेंहू की प्रजाति चुन सकते हैं इसी संस्था के सहयोग से 21 प्रजाती के 3 प्रदर्शन किये गए है। बीज उत्पादन के अंतर्गत 5 एकड़ में कार्यक्रम चल रहा है।

7. **अगले खरीफ के प्रस्ताविक कार्यक्रम**

- आई० ए० आर० आई क्षेत्रीय केन्द्र पूसा का मिनीकिट प्रदर्शन
- बायोवेर्सिटी इंटरनेशनल का क्रोव्द्सौर्सिंग ट्रायल, पार्टिसिपेटरी वरेइतल सिलेक्शन ट्रायल, बीज उत्पादन कार्यक्रम
- पैडी ट्रांस्प्लान्टर से धान कि रोपाई, मेंढ़ पर

संबोधन

किसानों की बातें, उनकी जुबानी

प्रिय किसान बन्धु

हमें खुशी है कि आप सब किसान बंधुओ के सहयोग सुझाव एवं सहभागिता से गत वर्ष परिवर्तन किसान क्लब का गठन हुआ एवं बिहार सरकार से इसका निबंधन भी हो गया। राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के विभिन्न प्रदर्शन परिवर्तन किसान क्लब के माध्यम से आयोजित होती है। प्रशिक्षण एवं किसान गोष्ठी भी समय–समय पर की जाती है परिवर्तन किसान क्लब के आवश्यकतानुसार परिवर्तन कृषि वैज्ञानिको एवं कृषि पदाधिकारियो को आमंत्रित करके कृषि संबंधित नवीनतम जानकारी अपने किसान बंधुओं को उपलब्ध करता है किसान क्लब अपने सदस्यों के लिए कृषि निवेश–गुणवत्ता वाला बीज, खरपतवारनाशक, कीट नाशक, उर्वरक आदि की व्यवस्था हेतु प्रयत्नशील है।

मुझे आशा है कि आने वाले दिनों में किसान क्लब कृषको को तकनीक एवं मशीनों के प्रयोग को बढ़ावा देकर कृषि की लागत को कम कर खेती को लाभप्रद बनाने में और अधिक सहयोग करेगा।

धन्यवाद

सुधीर कुमार श्रीवास्तव

सचिव, परिवर्तन किसान क्लब

हरियाली कृषि ज्ञान केन्द्र से खेती सम्बन्धी नए तरीके से नए मशीन द्वारा जैसे जीरोटिलेज मशीन से गेहू और धान का फसल बिना जुताई बोने का अनुभव मिला। पहले मैं खेती पुरानी परम्परा के अनुसार किया करता था जिसमें काफी लागत और उपज कम हुआ करता था लेकिन परिवर्तन के माध्यम से पूसा कृषि केन्द्र का अच्छे किस्म का

धान, और गेंहू–सरसों लिया उसका उपज बहुत ही ज्यादा होता है खर पतवार नासक दवाई हमें परिवर्तन के माध्यम से मिलता है 15 नवम्बर को मैं परिवर्तन से जीरोटिलेज मशीन लेकर लगभग दो एकड गेंहू बोए हैं जिसमें प्रति एकड 1350 जुताई खर्च बचा है मैं हर महीने में जो मिटिंग होता है उसमें भाग लेता हूँ खेती सम्बन्धी ज्ञान की बातें प्राप्त करता हूँ।

प्रदुमन सिंह

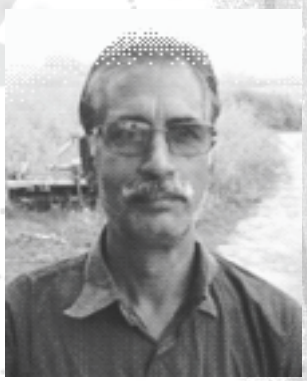

परिवर्तन कृषि क्षेत्र में किसानो के लिए एक बरदान बनकर आया है यह किसानो में एक नई सोच पैदा कर रहा है उन्नत बीज, खरपतवार नाशी, कीट नाशक तथा खेती में आने वाली मुस्किलो से छुटकारा पाने की विधि बताता है यह किसानो को पशुपालन संबंधी बातो कि भी जानकारी देना है मेरी दृष्टि में परिवर्तन किसानो के समग्र विकाश में योगदान दे रहा है मैं कमाना करता हू कि परिवर्तन के सारे प्रयास इस क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित हो।

बलराम सिंह, बड़हुलिया

परिवर्तन एक ऐसी संस्था है जहाँ पर पुरुष किसानों तथा महिला किसानों को वैज्ञानिक ढंग से नियमतः खेती करने का अनुभव कराया जाता है।

यहाँ पर समय–समय पर किसानों को सभा लगाकर तथा

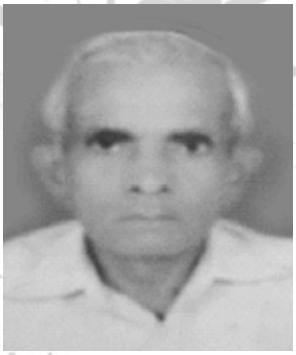

मेला लगाकर सभी किसान भाइयों को खेती कराने का तरीका, उन्नत किस्म का बीज तथा खरपतवार नियंत्रण करने का दवाइयों का नाम तथा जीरो टिलेज मशीन द्वारा गेंहू कि खेती करने के बारे में बताया जाता है पूसा के अनंत किस्म का बीज मंगवाकर किसानों को वितरित कर मशीनों द्वारा लगवा दिया जाता है तथा समय–समय पर इस तरह से प्रयास करते रहने से आशा है कि हम किसानो का उत्पादन बढ़ जायेगा तथा आगे और बढ़ सकता है कम खर्च में ज्यादा से ज्यादा लाभ मिल सकता है तथा परिवर्तन का नाम रौशन हो सकता है।

ब्रिजेशचन्द यादव, भरौली

मैं खेती का कार्य लगभग 30 सालों से कर रहा हूँ मेरे यहाँ मुख्य फसल रबी–गेंहू, सरसों, मसूर तथा खरीफ फसल धान कि खेती मैं करता हूँ परिवर्तन में गेंहू का प्रदर्शन यच डी 2967 की गई थी जो कि आस पास के फसलो से काफी उतम था इसलिए सभी पुरुष किसानों एवं महिला किसानों से सलाह करता हूँ कि नरेन्द्रपुर परिवर्तन से बीज लेकर हम अपने खेत में लगाये थे जो कि बहुत अच्छा था।

गोपाल जी शर्मा, संथू

हरियाली कृषि ज्ञान केन्द्र से ज्ञान प्राप्त करके खेती में कम लागत तकनीक का प्रयोग धान तथा गेंहू में किया। मशीन से रोपाई करने में मुझे मजदूरों की बचत तथा 80 किलो कठा के हिसाब से उपज प्राप्त हुआ है। धान काटने के बाद जीरो टिल मशीन से गेंहू कि बोआई किया जिसमे 65 रूपया कठा के हिसाब से बचत हुई। पूसा का शुद्ध बीज प्राप्त हुआ।

अजय कुमार सिंह, नरेन्द्रपुर

नयी तकनीक नयी सोच

परिवर्तन आदर्श गाँव गोंठी में वर्तमान खरीफ में नयी सोच के साथ खरीफ में धान की मशीन से रोपाई, बरसाती प्याज की खेती (अग्री फाउंड डार्क रेड), फूल गोभी (सबौर अग्रिम) की अगेती खेती का कार्यक्रम प्रस्तावित है आशा है की इन तकनीको के अपनाने पर लागत कम तथा मुनाफा अधिक होगा।

खुश खबरी

परिवर्तन प्रांगन में कृषको को शुद्ध एवं उन्नतशील प्रजाति के बीजो, उर्वरक / जैव उर्वरक, कृषि रक्षा रसायनों को उचित मूल्य पर उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है आशा है कृषक भाइयो को गलत सामग्री एवं अनुचित मूल्य भुगतान से निजात मिलेगी।

सूचना

परिवर्तन प्रांगन में कृषि के उपयोगी यन्त्र जैसे, जीरो टिल मशीन, मिट्टी पलटने वाला हल, रेज्ड बेड प्लान्टर, मेंढ़ पर अरहर, मक्का, सब्जी आदि बोने वाला यन्त्र, मिट्टी की निचली कड़ी परत तोडने वाला यन्त्र की उपलब्धता सुनिश्चित कर दी गयी है परिवर्तन किसान क्लब के नियमो के अनुसार किसान भाई इन यंत्रो का उपयोग कर सकते है।

सहयोगी संस्थाए

सीयिल सिस्टम इनिसिएटीव् फार साऊथ एशिया पटना

वयोवार्सिटी इन्टरनेशनल फार साऊथ एशिया नई दिल्ली

भारतीय कृषि अनुसंधान संसथान क्षेत्रीय केन्द्र पूसा समस्तीपुर

भारतीय अनुसंधान परिषद रिसर्च कम्पलेक्स पूर्वी क्षेत्र पटना

कृषि विभाग आत्मा एवं संबधित विभाग, सिवान।

संपर्क सूत्र

डा० अमरनाथ तिवारी

कृषि सलाहकार

+91 - 7759863367

amarnath.tewari@takshila.net

परिवर्तन PARIVARTAN

समेकित ग्रामीण समुदाय विकास

नरेन्द्रपुर जीरादेई सिवान

Design & Production : imagica graphics